

18/3/24

परील उभयपक्ष उभय अर्थात् अधिकार
आप भी समान पेश करने हेतु समय ही
अंतर न रहे हैं पूर्व में कई अवसर
दिने पर चर्चे हैं अतः पठावली अंतर
तकाल में खारिज की जाती है पर
फैसल शुभ की बात की बंधन से कम
की जावे। वाद वास्ता वादिल पाता ही।

~~मि~~
~~मुनिदेव~~ अधिकारी
पदेन
राजेश्वर अपील प्राधिकारी
नगर (राज.)